मेरा गुप्त जीवन- 185

“तीन कुंवारी गांड मेरे सामने चुदने को तैयार थी। सबसे पहले मौसी अपनी गांड मरवाने आगे आई। उसके बाद मौसी की बेटी का नम्बर था। उसके बाद बसन्ती का… …”

Story By: यश देव (yashdev)
Posted: शुक्रवार, अगस्त 19th, 2016
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: मेरा गुप्त जीवन- 185

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा गुप्त जीवन- 185

मौसी और किरण की गांड मराई

कम्मो बोली- नहीं किरण दीदी, छोटे मालिक के खड़े लन्ड को सब याद रहता है और वो थोड़ी देर में अपने आप ही हम सबकी गांड मारने लगेगा।
यह सुन कर हम सब हंस पड़े।

थोड़ी देर बाद मैं बोला- चलो तो फिर कौन मरवाएगी गांड पहले ?
मौसी बोली- मैं तुम सब में बड़ी हूँ तो सबसे पहले मेरी गांड मारो सोमू राजा !
यह सुन कर किरण चहक उठी- नहीं मम्मी, मैं सबसे छोटी हूँ, सबसे पहले मेरी मारो सोमू !

कम्मो बोली- नहीं किरण दीदी, आपकी चूत में लन्ड का पहला प्रवेश आज ही हुआ है तो अभी गांड में लन्ड लेने के काबिल नहीं है, मौसी ही पहले गांड मरवायेंगी और उसके बाद ही किरण दीदी की गांड मारी जायेगी और आखिर में…

कम्मो अपनी बात खत्म कर पाती कि उससे पहले ही बैडरूम का दरवाज़ा एकदम खुला और बाहर से बसंती नंगमलंग अंदर घुस आई और आते ही बोली- उसके बाद गांड मरवाने की मेरी बारी है क्यों छोटे मालिक ?

मैं और कम्मो एकदम हैरान हुए चुप्पी साध गए लेकिन किरण बोली- हाँ हाँ, मेरे बाद बसंती की बारी लगेगी।
मुझको गुस्सा तो बहुत आया लेकिन मैं अपने क्रोध को दबा गया।

कम्मो गुस्से से बौखला गई और उठ कर बसंती पर झपट पड़ी लेकिन मौसी अपनी रौबदार

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आवाज़ में बोली- नहीं कम्मो, कुछ मत कहो बसंती को ! जब हम सब मज़ा ले रहे हैं गांड मराई का तो बसंती क्यों पीछे रहे ? पर बसंती पहले चूत तो मरवा लो बाद में सोमू से गांड भी मरवा लेना। क्यों ठीक नहीं क्या ?

कम्मो झट बोल पड़ी- नहीं मौसी जी, यह ठीक नहीं है। यह छुप छुप कर हमारी सारी बातें सुन रही थी यह तो अच्छे नौकरों का काम नहीं है न !
मौसी मामले को ठंडा करते हुए बोली- कम्मो लेने दो उसको भी थोड़ा मज़ा… आज तो उससे गलती हो गई, आगे वो कभी ऐसा नहीं करेगी। क्यों बसंती नहीं करेगी ना आगे से ऐसा ?

बसंती अब रुआंसी हो गई, उसको अपनी गलती का एहसास हो गया और वो मुझसे और कम्मो से माफ़ी मांगने लगी और फिर रोती हुई वापस जाने लगी लेकिन मैंने उसको रोक दिया और उसको प्यार से समझाया कि आगे से वो कभी भी ऐसा ना करे..

कम्मो वक्त की नज़ाकत को समझने लगी, उसने बसंती को अपने पास बुला कर उससे प्यार जताया और फिर कहने लगी- ठीक है, किरण के बाद बसंती की बारी लगेगी छोटे मालिक ?

अब कम्मो मौसी की गांड मराई की तैयारी करने लगी और ढेर सारी क्रीम मौसी की गांड पर लगा दी और फिर उसने मेरे लौड़े की तरफ ध्यान दिया जो इस झगड़े में थोड़ा बैठ सा गया था।

मेरे लौड़े पर क्रीम लगाते हुए कम्मो ने मुझ से कहा- छोटे मालिक, ये सब कुंवारी गांडें हैं, आप ध्यान से धीरे धीरे इन सबकी गांड मारना ताकि इन को कोई तकलीफ ना हो !

मौसी बादशाही बेड पर घोड़ी बन गई और मैं भी उनके पीछे बैठ कर कुछ देर उनकी गांड

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

की सुंदरता को निहारता रहा और फिर मैंने अपने लन्ड का निशाना गांड पर साधा और फिर धीरे से लन्ड को गांड के अंदर धकेलने लगा।

मेरे लन्ड का सुपारा जब गांड में चला गया तो मैं थोड़ी देर के लिए रुक गया और अब अपने हाथों से मौसी की मोटी गांड को प्यार से सहलाने लगा क्योंकि वो इतनी मुलायम थी कि हाथ फेरने पर ही बहुत मज़ा आ रहा था.. ऐसा लग रहा था जैसे कि बनारसी सिल्क की साड़ी पर हाथ फेर रहा हूँ।

एक और हल्का सा धक्का और लन्ड उस पर लगी क्रीम और गांड पर लगी क्रीम के कारण अब पूरा का पूरा गांड की गहराइयों में समा गया।

उधर देखा तो बसंती और किरण आपस में चूमा चाटी में मग्न थी और कम्मो का एक हाथ अपनी चूत पर मस्ती कर रहा था।
मैंने हल्के से मौसी से पूछा- कोई तकलीफ तो नहीं ? धक्के तेज़ करूं क्या ?
मौसी ने हाँ में सर हिला दिया और अब मैं धक्कों की स्पीड बढ़ाने लगा।

मौसी भी लन्ड का गांड में आनन्द ले रही थी, स्वयं ही आगे पीछे होने लगी और थोड़ी देर में ही मौसी की चूत से सफ़ेद गाढ़ा रस टपकने लगा।
मेरा एक हाथ मौसी की चूत में उनकी भग को भी रगड़ने लगा और मेरे ऐसा करते ही मौसी ज़ोर से हुँकार भरते हुए बिस्तर पर लेट गई और पूरी तरह से स्खलित हो गई।

मैं अपने लन्ड को मौसी की गांड में ही डाले हुए उसके ऊपर लेटा रहा और फिर जब वो पलटने लगी तो लन्ड अपने आप ही चूत से जुदा हो गया और मौसी मुझ से एकदम लिपट गई और मुझको बेतहाशा चूमने लगी।
काफी देर हम दोनों एक दूसरे की बाहों में बंधे हुए बड़े ही शांत लेटे रहे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर मौसी ने मेरे लन्ड को अपने हाथों में लेकर उसके साथ खेलना शुरू कर दिया।

मैं पीठ के बल पलंग पर लेटा हुआ था कि किरण रेंगती हुई मेरे पास आ गई और खुद ही मेरे लन्ड पर कब्ज़ा कर लिया।
इससे पहले मैं कुछ कर पाता किरण स्वयं ही मेरे दोनों तरफ टांगों को कर मेरे ऊपर बैठ गई और फिर लन्ड को तलाश करके अपनी सूखी गांड के मुंह पर रख कर धीरे से उस के ऊपर बैठने लगी।

लेकिन सुपारा अंदर जाते ही उसके मुख से एक चीख निकल गई और एक झटके से मेरे ऊपर से हट गई।
कम्मो जो यह सब नज़ारा देख रही थी, फ़ौरन किरण के पास आ गई और उसको डांटते हुए बोली- जल्दी मत करो किरण दीदी, पहले अपनी गांड पर क्रीम तो लगवा लो ना फिर बैठना लन्ड पर!

लेकिन किरण शुरू के सूखी गांड के दर्द से बहुत ही विचलित हो गई थी और तब कम्मो ने जल्दी से उसकी गांड के अंदर बाहर कोल्ड क्रीम लगा दी जिस के बाद किरण को दर्द से राहत मिली।

मैंने अपने हाथ सर के नीचे रखे हुए थे और बड़े इत्मिनान से किरण के करतब अपने लन्ड पर करते हुए देख रहा था।

कोल्ड क्रीम लगा कर किरण फिर मेरे लन्ड के ऊपर बैठने की कोशिश करने लगी थी।
दो बार उसकी कोशिश फेल हो गई क्योंकि वो दोनों बार मेरा लन्ड फिसल कर उसकी चूत में चला जाता था। मेरा लन्ड बार बार उस की गांड के टाइट मुंह से फिसल कर उसकी चूत में ही चला जाता था जिसकी वजह से किरण काफी परेशान हो रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आखिर में मैंने उसको भी घोड़ी बनाया और अपना लन्ड उसकी क्रीमी गांड के ऊपर रख कर एक हल्का धक्का मारा और लन्ड टोपी समेत आधा अंदर चला गया और किरण ‘हाय मैं मरी…’ कह कर उछल पड़ी।

मैंने अपने को रोकते हुए बड़े प्यार से पूछा- क्यों किरण, अगर बहुत दर्द हो रहा है तो निकाल लूँ क्या ?
जिसको सुन कर दोनों मौसी और कम्मो ज़ोर ज़ोर से हंसने लगी।

किरण थोड़ी नाराज़ होते हुए बोली- नहीं नहीं, आने दो साले को पूरा आने दो, मैं देख लूंगी इस हरामी को ! बहुत मसखरी बाज़ बनता है यह !
अब किरण तेज़ी तेज़ी से मेरे लन्ड पर आगे पीछे होने लगी लेकिन थोड़ा ही लन्ड को अंदर लेती थी और फिर पीछे मुड़ जाती थी यानि अभी तक किरण की कुंवारी गांड में पूरा लन्ड नहीं गया था।

अब मैंने किरण की कमर को अपने हाथों से पकड़ा और एक ज़ोरदार धक्के के बाद मेरा लन्ड पूरा का पूरा किरण की गांड में समा गया और किरण ज़ोर से ‘हाय मैं मरी रे…’ बोल कर सर को इधर उधर झटकने लगी।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

लेकिन मैं भी किरण को गांड मराई का पूरा लुत्फ़ दिलाना चाहता था तो अब मैं धीरे धीरे लन्ड की स्पीड तेज़ करने लगा और उसकी कमर को दोनों हाथों में कस कर पकड़ रखा था ताकि वो इधर उधर ना हो सके।

थोड़ी देर की तेज़ लनबाज़ी में किरण को अब बेहद मज़ा आने लगा और वो मुझको और तेज़ी करने के लिए उकसाने लगी और अपनी गांड को बराबर तेज़ी से मेरे शातिर लन्ड पर आगे पीछे होने के लिए प्रेरित करने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

किरण से ध्यान हटा कर देखा तो तीनों औरतें बड़ी गौर से किरण की गांड मराई देख रही थी।

मौसी और कम्मो तो दोनों आपस में अभी भी लिपटा लिपटी कर रही थी लेकिन बसंती एक उंगली अपनी चूत में डाले हुए अपनी भग को मसल रही थी और किरण को गांड मराते हुए भी बड़े ग़ौर से देख रही थी।

अब किरण की दोनों आँखें बन्द थी और वो बेहद उग्रता से मेरे लन्ड को अटैक कर रही थी। फिर वो एकदम से अकड़ी और सीधी खड़ी होकर मुझ से लिपट गई और अपने चूतड़ों को मेरे लन्ड के साथ जोड़ कर हांफ़ने लगी।

जब उसका हांफ़ना और कांपना बंद हुआ तो वो कुछ देर मेरे साथ अपनी गांड जोड़ कर घोड़ी बनी हुई अपना सर झुकाये लेटी रही। फिर उसने मुझको मुड़ कर देखा और शरारतन मुस्कराई और फिर वो एकदम पलटी और मेरी छाती के साथ लिपट गई और मुझको बेतहाशा चूमने लगी।

चूमते हुए ही वो अपनी बाहों को मेरे गले में डाल कर अपनी टांगों को मेरी कमर के चारों तरफ फैला कर अपनी चूत को मेरे लन्ड के एकदम सामने ले आई और लन्ड चूत में डाल लिया और फिर खिलखिला कर हंसते हुए बोली- देखी मेरी फुर्ती ? अब मैं अब तुझको चोदूँगी सोमू साले… बड़ा बनता है लंडबाज़ ? अब देख मेरी कुंवारी चूत का कमाल !

मौसी और कम्मो ज़ोर ज़ोर से तालियाँ मार कर किरण की फुर्ती की दाद देने लगी।

मेरे हाथ अपने आप ही किरण के चूतड़ों के नीचे चले गए और उनको दबा कर उन को अपने लन्ड से जोड़ लिया।

किरण अब बड़ी मस्ती से अपनी गांड मराई को चूत चुदाई में बदल बैठी और मेरे को बार

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बार मुंह चिढ़ाने लगी, वो अब मेरे गले में बाहें डाल कर एक बार फिर मेरे लन्ड को अपनी चूत में ले कर ज़ोर ज़ोर से उछलने लगी और साथ में अपने होटों को मेरे होटों के साथ चिपका कर मेरा रसपान कर रही थी।

आज पहली बार मुझको लगा कि मुझ से भी चुदाई के क्षेत्र में तेज़ और चालाक और शातिर खिलाड़ी है इस जहाने जहान में!
मैं किरण की झूला झुलाई का आनन्द भी ले रहा था और उसकी 'फुर्ती' का दीवाना भी बन गया था।

किरण ने मेरी आँखों में अपनी आँखें डालते हुए पूछा- क्यों सोमू भाई, मेरे साथ शादी करोगे क्या?

मैं यकलखत किरण के मुंह से यह बात सुन कर सन्न रह गया और उधर मौसी और कम्मो भी घबरा कर एक दूसरे को देखने लगी।
मौसी चिल्ला कर बोली- क्या तू पागल हो गई है किरण? सोमू के साथ शादी? यह सोचा भी तूने कैसे बेशरम बेहया?

किरण जो मुझको घूर रही थी और मेरे मन की अंदर की बात जानने की भरसक कोशिश कर रही थी, उसने हल्के से मुझ को आँख मार दी।
मैं समझ गया कि किरण मौसी और बाकी सब का मज़ा ले रही थी और मैं भी उसका साथ देते हुए बोल पड़ा- हाँ हाँ किरण, हम दोनों को शादी कर लेनी चाहिए। कितना मज़ा आएगा जब मेरी मौसी मेरी सास बन जायेगी और मौसा जी मेरे ससुर... है न किरण?
मैं मौसी जी को सासु जी कह कर बुलाया करूँगा! उफ़ अल्ला क्या मज़ा आएगा।

मौसी और कम्मो पगलाई हुई हम दोनों को देख रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी नज़र जब कम्मो से मिली तो मैंने भी उसको हल्की से आँख मार दी और वो सब समझ गई कि हम दोनों मौसी का फुलतरु खींच रहे हैं।

कम्मो झट बोल पड़ी- ठीक है मौसी जी, इन दोनों को शादी कर लेने दो। आज ही करवा देते हैं मंदिर में ?
मैं बोला- हाँ बिल्कुल ठीक कह रही है कम्मो, चलो अभी मंदिर चलते हैं। क्यों मौसी ?

बसंती जो बड़ी हैरानी से तेज़ी से बदलते हुए माहौल को विस्फरित नेत्रों से देख रही थी, एकदम घबरा कर बोल पड़ी- पर कम्मो दीदी मेरी गांड मराई का क्या होगा ? सिर्फ मैं ही गांड से कुंवारी बच रही हूँ मेरा क्या होगा ?

इतना सुनना था कि किरण, कम्मो और मैं ज़ोर ज़ोर से हंसने लगे और दोनों मौसी और बसंती हैरानी से हमको देख रही थी।

तब किरण भाग कर मौसी के पास गई और उनको एक टाइट जफ्फी मारी और बोली- मम्मी, आपने यह सोच भी कैसे लिया कि मैं और सोमू शादी कर लेंगे। आप भी न हम बच्चों का मज़ाक नहीं समझ पाई। और बसंती तू मत घबरा… तेरी गांड सोमू चाहे मारे या ना मारे मैं ज़रूर मारूंगी अपने मम्मों से !

फिर एक हंसी का फुव्वारा छूट गया।

बसंती बेचारी थोड़ी सीधी थी तो वो किरण का मज़ाक नहीं समझ पाई और उदास होकर एक तरफ बैठ गई।

अब मैं बसंती के पास गया और उसको कहा- चल बसंती, अब तेरी गांड की टेस्टिंग है, डरेगी तो नहीं ? थोड़ा दर्द तो होयेगा। बोल सह लेगी ना ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बसंती बोली- नहीं छोटे मालिक, मैं दर्द वर्द से नहीं डरती।

अब कम्मो ने उसकी नई नवेली गांड पर भी क्रीम लगा दी और उसको बेड पर घोड़ी बना दिया।
मैं बसंती के पीछे बैठ गया और लन्ड का निशाना गांड पर साध कर अपने लौड़े को धीरे से अंदर धकेलने लगा।

जैसे ही लन्ड कुछ इंच ही गांड में गया होगा, बसंती मछरी घोड़ी की तरह बिदकने लगी और ज़ोर से चिल्ला पड़ी- मेरी मैया रे! बड़ा दर्द हो रहा है, मुझको गांड नहीं मरवानी। उफ्फ्फ मेरी तो गांड ही फाड़ दी रे!

मौसी समेत सब लड़कियाँ हंस रही थी, केवल मैं ही बसंती का दर्द समझ रहा था, मैंने उसकी गांड से लन्ड हटा लिया और झट से उसकी गीली चूत में डाल दिया।

चूत में लन्ड के जाते ही बसंती ने चिल्लाना बन्द कर दिया और हँसते हुए बोली- हाँ यहीं छोटे मालिक। यहीं डालो अपना लन्डवा… यही इसका घर है, यहाँ ही यह जचता है ससुर!

वो अपने आप ही मेरे लौड़े पर आगे पीछे होने लगी और चूत की चुदाई का आनन्द लेने लगी।

आज मैंने सबके सामने बसंती की भरपूर चुदाई की और सब आसनों का भी प्रदर्शन किया जिसको देख कर मौसी और किरण अपनी उँगलियाँ दांतों तले दबाने लगे।

आखिरी बार बसंती का छुटाने के बाद और उसके हाथ जोड़ने पर ही मैंने उसको छोड़ा और मेरे नीचे से उठने के बाद उसने मुझको एक बहुत ही कामुक जफ्फी मारी और होटों पर एक स्वीट चुम्मी देते हुए मेरे से अलग हुई और जाते हुए थैंक्यू भी कह गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब मैंने ही किरण को छेड़ा- क्यों किरण, फिर कब आऊं घोड़ी पर बैठ कर ?

मौसी यह सुनते ही बौखला गई और ज़ोर ज़ोर से मुझ को और किरण को गालियाँ देने लगी- अरे हरामखोरो, कुछ तो शर्म लिहाज़ करो मेरा… मैं तुम्हारी माँ समान हूँ ना ?
किरण बोली- मम्मी, वह तो ठीक कह रही हो लेकिन तुमने ही तो अपने होने वाले दामाद का लन्ड नापा है अपनी चूत और गांड में… बोलो हाँ या नहीं ?

इतना सुनना था कि मौसी नकली गुस्से में आग बबूला होने का नाटक करने लगी और हम दोनों के पीछे नंगी ही भागने लगी।

यह दृश्य मैं जीवन में कभी नहीं भूलूंगा।
कहानी जारी रहेगी।
ydkolaveri@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Tanglish Sex Stories

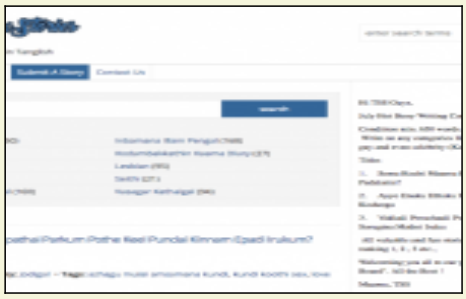

URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.

Savita Bhabhi Movie

URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

Hot Arab Chat

URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Kirtu

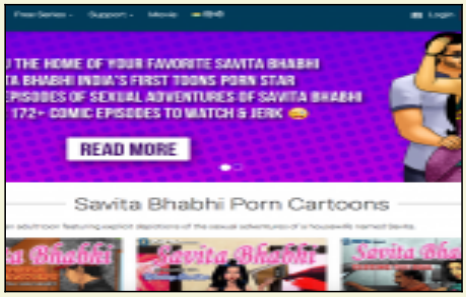

URL: www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

Meri Sex Story

URL: www.merisexstory.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Hindi, Desi **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Hindi sex stories, Indian sex, Desi sex kahani.

Pinay Video Scandals

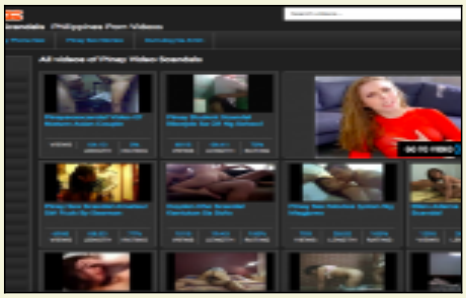

URL: www.pinayvideoscandals.com **Average traffic per day:** 22 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Video and story **Target country:** Philippines Watch latest Pinay sex scandals and read Pinay sex stories for free.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire